Current Affairs search results for tag: Environment

1. 2022 में नवीनतम बाघ जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, भारत में बाघों की संख्या 3,167 हुई (April 11, 2023)

According to the latest tiger census data in 2022, the number of tigers in India has increased to 3,167

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जारी **नवीनतम बाघ जनगणना** के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में भारत में बाघों की संख्या 3,167 तक पहुंच गई है।

खबर का अवलोकन

- यह आंकड़ा 2006 में 1,411, 2010 में 1,706, 2014 में 2,226 और 2018 में 2,967 की पिछली जनगणना के आंकड़ों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है।
- प्रधानमंत्री ने **'प्रोजेक्ट टाइगर'** के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में **'इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस'** का शुभारंभ किया। गठबंधन का उद्देश्य बाघों और शेरों सहित दुनिया भर में सात प्रमुख बड़ी बिल्लियों की रक्षा और संरक्षण करना है।
- प्रधानमंत्री ने **'अमृत काल का टाइगर विजन'** नामक एक पुस्तिका भी जारी की, जो अगले 25 वर्षों में बाघ संरक्षण के दृष्टिकोण को रेखांकित करती है।

प्रोजेक्ट टाइगर

- प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा वर्ष 1973 में की गई थी।
- इस कार्यक्रम के तहत बाघों की आबादी वाले राज्यों को बाघों के संरक्षण के लिए केंद्रीय सहायता प्रदान की जाती है।
- प्रोजेक्ट टाइगर के तहत कवर किए गए शुरुआती राज्य जिम कॉर्बेट, मानस, रणथंभौर, सिमलीपाल, बांदीपुर, पलामू, सुंदरबन, मेलघाट और कान्हा राष्ट्रीय उद्यान थे।
- वर्ष 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर के शुभारंभ के समय देश में केवल 9 टाइगर रिजर्व थे, वर्तमान में देश में टाइगर रिजर्व की कुल संख्या बढ़कर 54 हो गई है।

भारत में बाघों की सबसे अधिक आबादी वाले शीर्ष 10 राज्य हैं:

1. **मध्य प्रदेश** - इस राज्य में कुल 526 बाघों के साथ भारत में बाघों की सबसे अधिक आबादी है।
2. **कर्नाटक** - कुल 524 बाघों के साथ, कर्नाटक में भारत में बाघों की दूसरी सबसे बड़ी आबादी है।
3. **उत्तराखंड** - इस राज्य में कुल 442 बाघ हैं और यह अपने जंगल के लिए जाना जाता है।
4. **महाराष्ट्र** - महाराष्ट्र 312 बाघों का घर है, जो इसे भारत में सबसे अधिक बाघों वाला चौथा राज्य बनाता है।
5. **तमिलनाडु** - इस राज्य में कुल 264 बाघ हैं और यह मुदुमलाई और अन्नामलाई बाघ अभयारण्यों के लिए जाना जाता है।
6. **असम** - कुल 190 बाघों के साथ, असम भारत में बाघ संरक्षण के प्रयासों के लिए एक महत्वपूर्ण राज्य है।

7. **केरल** - केरल में भी कुल 190 बाघ हैं और यह पेरियार टाइगर रिजर्व के लिए जाना जाता है।
8. **उत्तर प्रदेश** - इस राज्य में 173 बाघ हैं और दुधवा टाइगर रिजर्व का घर है।
9. **पश्चिम बंगाल** - कुल 88 बाघों के साथ, पश्चिम बंगाल में अन्य राज्यों की तुलना में बाघों की संख्या अपेक्षाकृत कम है।
10. **राजस्थान** - कुल 69 बाघों वाले शीर्ष 10 राज्यों में इस राज्य में बाघों की सबसे कम आबादी है।

2. विश्व के पहले एशियाई राजा गिद्ध संरक्षण और प्रजनन केंद्र का शुभारंभ उत्तर प्रदेश में (April 10, 2023)

Jatayu Conservation and Breeding Center (JCBC) for the critically endangered Asian king vulture,

उत्तर प्रदेश ने गंभीर रूप से लुप्तप्राय एशियाई **राजा गिद्ध** के लिए एक अत्याधुनिक **जटायु संरक्षण और प्रजनन केंद्र** (JCBC) स्थापित किया है, जो विश्व में अपनी तरह का पहला केंद्र है।

खबर का अवलोकन

- यह उत्तर प्रदेश के **महाराजगंज जिले** में स्थित है और 1.5 हेक्टेयर में फैला है।
- JCBC को **कैद में प्रजनन और उन्हें जंगल में छोड़ कर एशियाई राजा गिद्धों की एक स्थायी आबादी को बनाए रखने के लिए** डिज़ाइन किया गया है।
- एशियाई राजा गिद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत संरक्षित है और प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN) रेड लिस्ट द्वारा गंभीर रूप से संकटग्रस्त के रूप में सूचीबद्ध है।
- भारत में पशु चिकित्सा में डाइक्लोफेनाक के उपयोग से हाल के वर्षों में जनसंख्या में कमी आई है, और JCBC का लक्ष्य **प्रजातियों के स्थायी संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए 15 वर्षों में कम से कम 40 गिद्धों को कैद में रखना है।**
- वन विभाग ने तकनीकी मार्गदर्शन के लिए बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी के साथ भागीदारी की है।

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के बारे में

- **परिचय:** वन्यजीव संरक्षण अधिनियम भारत में 1972 में देश में वन्यजीवों और उनके आवासों की रक्षा के प्राथमिक उद्देश्य के साथ अधिनियमित एक कानून है।
- **निषेध:** अधिनियम अधिकारियों से पूर्व अनुमति के बिना, अधिनियम की अनुसूची I से IV के तहत सूचीबद्ध किसी भी जंगली जानवर के शिकार, अवैध शिकार, कब्जा करने या मारने पर प्रतिबंध लगाता है।
- **संरक्षित क्षेत्र:** अधिनियम विशिष्ट क्षेत्रों को संरक्षित क्षेत्रों के रूप में नामित करता है, जो वन्यजीवों और उनके आवासों के संरक्षण के लिए हैं। इनमें राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण्य और बायोस्फीयर रिजर्व शामिल हैं।

- **दंड:** अधिनियम उल्लंघन के लिए जुर्माना और कारावास सहित सख्त दंड का प्रावधान करता है। बार-बार अपराधियों को अधिक कठोर दंड का सामना करना पड़ सकता है।
- **संशोधन:** इस अधिनियम में पिछले कुछ वर्षों में कई संशोधन हुए हैं, नवीनतम 2003 में हुआ और संशोधनों का उद्देश्य **वन्यजीवों और उनके आवासों की सुरक्षा को मजबूत करना** है।

3. पहली बार एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान को मिला एक फर्नारियम (April 4, 2023)

Eravikulam National Park got a fernarium for the first time

केरल के मुन्नार में एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान का एक नया आकर्षण है - **एक फर्नारियम और यह हिल स्टेशन में स्थापित पहला फर्न संग्रह** है।

खबर का अवलोकन

- **फर्नारियम, ऑर्किडेरियम के करीब पार्क के भीतर** स्थित है और 20 अप्रैल से जनता के लिए सुलभ है।
- **फर्नारियम का उद्देश्य आगंतुकों को पार्क की जैव विविधता के बारे में शिक्षित करना** और वनस्पतियों को एक अनोखे तरीके से प्रदर्शित करना है।
- फर्न पेड़ों से पानी और पोषक तत्वों को अवशोषित करके मिट्टी रहित वातावरण में स्वाभाविक रूप से विकसित होते हैं, जिससे पार्क फर्नारियम के लिए एक आदर्श स्थान बन जाता है।

एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान के बारे में

- **स्थान**: एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान भारत के पश्चिमी घाट में, केरल राज्य के भीतर स्थित है।
- **इतिहास**: पार्क को शुरू में 1975 में एक खेल अभयारण्य के रूप में स्थापित किया गया था, जिसका प्राथमिक उद्देश्य लुप्तप्राय नीलगिरी तहर, एक प्रकार की पहाड़ी बकरी की रक्षा करना था जो पश्चिमी घाटों के लिए स्थानिक है।
- **राष्ट्रीय उद्यान की स्थिति:** 1978 में, अभयारण्य को राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था और अब यह 97 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है।
- **जैव विविधता**: पार्क अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें नीलगिरी तहर, मकाक, तेंदुए और कई पक्षी प्रजातियों सहित कई वन्यजीव प्रजातियां हैं।
- **मान्यता**: पार्क को अनेक संरक्षण प्रयासों के लिए अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली है, और इसे 2019 में स्थिरता और जिम्मेदार पर्यटन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए प्रतिष्ठित ग्रीन ग्लोब प्रमाणन से सम्मानित किया गया।

4. बांदीपुर ने प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व के रूप में 50 साल पूरे किए (April 4, 2023)

Bandipur completes 50 years as a Project Tiger Reserve

बांदीपुर ने 1 अप्रैल 2023 को **प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व के रूप में 50 साल पूरे किए।**

बांदीपुर टाइगर रिजर्व के बारे में

- यह रिजर्व **कर्नाटक राज्य** में स्थित है और **912.04 वर्ग किमी के** क्षेत्र में फैला हुआ है।

- यह कर्नाटक के दो जिलों **मैसूर और चामराजनगर** में स्थित है।

- इसे दुनिया के प्रमुख बाघ आवासों में से एक माना जाता है और यह **देश के पहले बायोस्फीयर रिजर्व - नीलगिरी बायोस्फीयर रिजर्व** का एक महत्वपूर्ण घटक है।

- बाघों की आबादी में गिरावट को रोकने के उद्देश्य से इसे **1973 में तत्कालीन प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी** द्वारा लॉन्च किया गया था।

- बांदीपुर 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर के प्रमुख कार्यक्रम के तहत लाए जाने वाले पहले नौ अभयारण्यों में से एक था।

- **बांदीपुर टाइगर रिजर्व चारों ओर से घिरा हुआ है-**

1. उत्तर पश्चिम में नागरहोल टाइगर रिजर्व (तमिलनाडु)।
2. दक्षिण में मुदुमलाई टाइगर रिजर्व (तमिलनाडु)।
3. दक्षिण पश्चिम में वायनाड वन्यजीव अभयारण्य (केरल)।

प्रोजेक्ट टाइगर

- प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत **केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** द्वारा **वर्ष 1973** में की गई थी।

- इस कार्यक्रम के तहत **बाघों की आबादी वाले राज्यों को बाघों के संरक्षण** के लिए केंद्रीय सहायता प्रदान की जाती है।

- प्रोजेक्ट टाइगर के तहत कवर किए गए शुरुआती रिजर्व **जिम कॉर्बेट, मानस, रणथंभौर, सिमलीपाल, बांदीपुर, पलामू, सुंदरबन, मेलघाट और कान्हा राष्ट्रीय उद्यान** थे।

- **वर्ष 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर के शुभारंभ** के समय देश में केवल **9 टाइगर रिजर्व थे**, वर्तमान में देश में टाइगर रिजर्व की कुल संख्या बढ़कर 54 हो गई है।

कर्नाटक में अन्य बाघ अभयारण्य

- भद्रा टाइगर रिजर्व
- नागरहोल टाइगर रिजर्व
- डंडेली-अंशी टाइगर रिजर्व

5. भारत की G20 अध्यक्षता के तहत पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह की दूसरी बैठक शुरू (March 27, 2023)

The second meeting of the Working Group on Environment and Climate Sustainability started on 27 March and it is a three-day meeting.

27 मार्च को पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह की दूसरी बैठक शुरू हुई और यह **तीन दिवसीय बैठक** है।

खबर का अवलोकन

- यह बैठक **गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर** में हो रही है।
- बैठक की शुरुआत में जी-20 सदस्य देशों ने **जल संसाधन प्रबंधन के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं** पर एक प्रस्तुति दी।
- इस कार्यक्रम में G20 सदस्य देशों, **11 आमंत्रित देशों** और **14 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के लगभग 130 प्रतिनिधियों ने** भाग लिया।
- बैठक कई विषयगत क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती है, जिसमें **भूमि क्षरण को रोकना, पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली में तेजी लाना और जैव विविधता को समृद्ध करना, संसाधन दक्षता और चक्रीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करना** और **एक स्थायी और जलवायु-लचीली नीली अर्थव्यवस्था** को बढ़ावा देना शामिल है।

G20 के बारे में

- यह **1999 में स्थापित विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर्राष्ट्रीय** मंच है।
- इसका प्राथमिक उद्देश्य **अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता और सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।**
- G20 **व्यापार, निवेश, रोजगार, ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन जैसे आर्थिक और वित्तीय मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला से संबंधित नीतियों** पर चर्चा और समन्वय के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

6. भूपेंद्र यादव ने अरावली ग्रीन वाल प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया (March 26, 2023)

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री **भूपेंद्र यादव** ने 26 मार्च को **हरियाणा के टिकली गांव में अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस** के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में **अरावली ग्रीन वाल प्रोजेक्ट** का उद्घाटन किया।

खबर का अवलोकन

- परियोजना **वनीकरण, पुनर्वनीकरण और जल निकायों की बहाली** के माध्यम से **अरावली के हरित आवरण और जैव विविधता** को बढ़ाएगी।
- यह क्षेत्र की **मिट्टी की उर्वरता, जल की उपलब्धता और जलवायु से संबंधी लचीलापन** में भी सुधार करेगा।
- यह परियोजना स्थानीय **समुदायों को रोजगार के अवसर, आय के सृजन और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रदान करके लाभान्वित करने में मदद करेगी।**
- इस पहल का उद्देश्य **पांच राज्यों में फैली अरावली पर्वत श्रृंखला के लगभग 5 किमी के बफर क्षेत्र** को हरा भरा बनाना है।
- परियोजना के तहत **75 जल स्रोतों का कायाकल्प किया जाएगा,** जिसकी शुरुआत 25 मार्च को अरावली परिदृश्य के प्रत्येक जिले में पांच जल स्रोतों से होगी।
- परियोजना में अरावली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर **वृक्षारोपण अभियान और जल संसाधनों का संरक्षण** भी शामिल होगा।
- यह परियोजना **गुड़गांव, फरीदाबाद, भिवानी, महेंद्रगढ़ और हरियाणा के रेवाड़ी जिलों में बंजर भूमि** को शामिल करेगी।

अरावली ग्रीन वाल प्रोजेक्ट के बारे में

- यह परियोजना केंद्रीय वन मंत्रालय के **भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए देश भर में ग्रीन कॉरिडोर** तैयार करने के विजन का एक हिस्सा है।
- इस परियोजना में **हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली** शामिल हैं जहां **60 लाख हेक्टेयर क्षेत्र पर अरावली की पहाड़ियां** फैली हैं।
- इस परियोजना में तालाबों, झीलों और नदियों के कायाकल्प और पुनर्स्थापन के साथ-साथ **झाड़ियों, बंजर भूमि और खराब वन भूमि पर पेड़ों और झाड़ियों की मूल प्रजातियों** को लगाना शामिल होगा।
- यह परियोजना स्थानीय समुदायों की आजीविका बढ़ाने के लिए कृषि वानिकी और चरागाह विकास पर भी ध्यान केंद्रित करेगी।

अरावली रेंज के बारे में

- [illegible] 720 [illegible]
- [illegible]
- [illegible] 5[illegible]
- [illegible] 300 [illegible] 900 [illegible]
- [illegible] (1,722 [illegible])

7. IndiaAI [illegible] (March 17, 2023)

task force for framing a draft roadmap for the artificial intelligence ecosystem

[illegible]

[illegible]

- [illegible] IndiaAI [illegible]
- [illegible]
- [illegible] AI [illegible] 2035 [illegible] 967 [illegible] 2025 [illegible] 450-500 [illegible] 5 [illegible] 10% [illegible]

IndiaAI [illegible]:

- IndiaAI [illegible] '[illegible]' [illegible] 2018 [illegible]
- [illegible] (MeitY) [illegible] (NASSCOM) [illegible]

- IndiaAI प्लेटफॉर्म का प्राथमिक उद्देश्य **उद्योग, शिक्षा, स्टार्टअप और सरकार को एक साथ लाकर भारत में AI के लिए एक सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र** बनाना है।

- मंच हितधारकों को विचारों का आदान-प्रदान करने, परियोजनाओं पर सहयोग करने, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और एआई संसाधनों जैसे **डेटासेट, एल्गोरिदम और टूल** तक पहुंचने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

- IndiaAI का उद्देश्य AI-आधारित समाधानों के विकास का समर्थन करना भी है जो **स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और शहरी विकास** जैसी सामाजिक चुनौतियों का समाधान करते हैं।

- मंच एआई-आधारित समाधानों पर काम कर रहे स्टार्टअप्स और उद्यमियों को **फंडिंग, मेंटरशिप और अन्य संसाधनों** तक पहुंच प्रदान करता है।

IndiaAI की कुछ पहलें हैं जैसे:

- **एआई फॉर ऑल प्रोग्राम**: जिसका उद्देश्य **भारत में 1 मिलियन से अधिक नागरिकों को एआई प्रशिक्षण** प्रदान करना है, और एआई रिसर्च एंड इनोवेशन हब, जो देश भर में एआई अनुसंधान केंद्रों और प्रयोगशालाओं का एक नेटवर्क है।

8. आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए राष्ट्रीय मंच का तीसरा सत्र नई दिल्ली में शुरू हुआ (March 10, 2023)

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 मार्च को नई दिल्ली में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए राष्ट्रीय मंच (NPDRR) के तीसरे सत्र का उद्घाटन किया।

खबर का अवलोकन

- इस मंच के तीसरे सत्र का मुख्य विषय "**बदलती जलवायु में स्थानीय लचीलापन का निर्माण**" है।

- सत्र का विषय स्थानीय क्षमताओं के निर्माण के लिए प्रधान मंत्री द्वारा घोषित **10 सूत्री एजेंडे** के अनुरूप है, विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर तेजी से बदलते आपदा जोखिम परिदृश्य के संदर्भ में।

- सत्र में अंतराल की पहचान, **सिफारिशें और आपदा जोखिम** में कमी के प्रयासों को और तेज करने के लिए साझेदारी किया जाएगा।

- आयोजन के दौरान, प्रधान मंत्री ने **सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार** के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

- **2023 पुरस्कार** के विजेता **ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण** और **मिजोरम के लुंगलेई फायर स्टेशन** हैं।

- प्रधान मंत्री ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र में नवीन विचारों और पहलों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

- इस दो दिवसीय, तीसरे सत्र में एक हजार से अधिक गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे।

- **गृह मंत्री अमित शाह मंत्रिस्तरीय सत्र की अध्यक्षता** की जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्रियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया गया।

एनपीडीआरआर के बारे में

- **एनपीडीआरआर एक बहु-हितधारक मंच** है जो भारत सरकार द्वारा संवाद की सुविधा और अनुभवों, विचारों, कार्रवाई उन्मुख अनुसंधान को साझा करने और आपदा जोखिम में कमी के क्षेत्र में अवसरों का पता लगाने के लिए गठित किया गया है।

9. संयुक्त राष्ट्र ने दुनिया के समुद्री निकायों की रक्षा के लिए पहली 'हाई सी ट्रीटी' पर हस्ताक्षर किए (March 6, 2023)

world's oceans located outside national boundaries.

संयुक्त राष्ट्र ने **राष्ट्रीय सीमाओं के बाहर** स्थित दुनिया के महासागरों की रक्षा के लिए ऐतिहासिक रूप से पहली बार '**हाई सी ट्रीटी**' पर हस्ताक्षर किए।

खबर का अवलोकन

- यह संधि **पर्यावरणीय चिंताओं** पर लगभग एक दशक की बातचीत का परिणाम है।

- न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 38 घंटे की बातचीत के बाद 4 मार्च को इस संधि पर समझौता हुआ।

- महासागर संरक्षण पर अंतिम अंतर्राष्ट्रीय समझौते पर **40 साल पहले 1982 में हस्ताक्षर** किए गए थे।

संयुक्त राष्ट्र हाई सी ट्रीटी क्या है?

- यह संधि समुद्री जीवन के संरक्षण का प्रबंधन करने और **उच्च समुद्रों (High Seas) में समुद्री संरक्षित क्षेत्रों** की स्थापना के लिए एक नया निकाय बनाएगी।

- यह संधि दुनिया के **30 प्रतिशत महासागरों को संरक्षित क्षेत्र** में लाती है, समुद्री संरक्षण में अधिक खर्च करती है और समुद्र में खनन के लिए नए नियम तय करती है।

- संधि का उद्देश्य **गहरे समुद्र में खनन जैसे संभावित प्रभावों से रक्षा करना** है।

- यह संधि इस बात पर प्रतिबंध लगाएगी कि खुले समुद्र में कितनी मछली पकड़ी जा सकती है।

उच्च समुद्र क्या हैं?

- राष्ट्रों की **सीमाओं को पार करने वाले अंतर्राष्ट्रीय जल निकायों** को उच्च समुद्र माना जाता है।
- ये दुनिया के महासागरों का **लगभग दो-तिहाई हिस्सा** हैं।
- ये जल निकाय हैं जहां सभी देशों में **मछली पकड़ने, जहाज चलाने और अनुसंधान** करने का अधिकार है।
- लेकिन अब तक इनमें से लगभग **1% पानी** - जिसे उच्च समुद्र के रूप में जाना जाता है - संरक्षित किया गया है।
- ये मूल्यवान **खनिज, फार्मास्यूटिकल्स, आयल और गैस भंडार** की खोज के लिए भी महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं।

कमजोर समुद्री प्रजातियां

- **इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (IUCN)** के अनुसार, लगभग **10% समुद्री प्रजातियों** के विलुप्त होने का खतरा है।
- इसके अलावा संकटग्रस्त प्रजातियों में से **41% जलवायु परिवर्तन से प्रभावित** हैं।
- **शेलफिश, शार्क और व्हेल** समुद्री भोजन और दवाओं के रूप में उपयोग के कारण विशेष दबाव में हैं।

10. भारत में गेहूं का संकट (March 1, 2023)

भारत के गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध को कम करने की संभावना नहीं है। कृषि वैज्ञानिक इस वर्ष फरवरी माह में अप्रत्याशित गर्मी के कारण रबी फसलों के लिए अतिरिक्त सिंचाई की संस्तुति की है।

खबर का अवलोकन:

- दुनिया के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक देश में अनाज का स्टॉक 2022 में हीटवेव के कारण उत्पादन में **2.5%** की कटौती के बाद लगभग **106 मिलियन टन** तक गिर गया।
- भारत फिलहाल गेहूं के निर्यात पर अपना प्रतिबंध नहीं हटाएगा और सरकार के पास 1 अप्रैल को नियमों के तहत आवश्यक राज्य के स्वामित्व वाले आपातकालीन भंडार की पर्याप्त मात्रा होगी।
- फरवरी का माह असामान्य रूप से गर्म रहा है।

कृषि के लिए, यह मार्च में पिछले साल के असामान्य तापमान और

- महत्वपूर्ण रबी फसल गेहूं पर इसके प्रभाव की याद दिलाता है।

भारत में गेहूं:

- देश के उत्तर और उत्तर-पश्चिमी भाग में चावल मुख्य खाद्य फसल के बाद गेहूं भारत में दूसरी सबसे महत्वपूर्ण अनाज की फसल है।
- गेहूं गर्मी के प्रति संवेदनशील फसल है।
- गेहूं एक रबी फसल है जिसे पकने के समय ठण्डे उगने वाले मौसम और तेज धूप की आवश्यकता होती है।
- आवश्यक तापमान: **10-15°C** (बुवाई का समय) और **21-26°C** (पकना और कटाई) के बीच।
- आवश्यक वर्षा: लगभग 75-100 सेमी।
- शीर्ष गेहूं उत्पादक राज्य: **उत्तर प्रदेश> पंजाब> हरियाणा> मध्य प्रदेश> राजस्थान> बिहार> गुजरात।**